डिजीटल पत्र

कांग्रेस दर्पण

दैनिक

पटना, 17 मई, बुधवार, 2023

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा के प्रति समर्पित सिपाही एवं कर्मठ नेता रहे श्री राजीव सातव जी की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर श्रद्धांजलि।

श्री राजीव सातव जी की ऊर्जावान कार्यशैली, उनकी कार्यक्षमता व युवा जोश से भरे विचार हम सबको हमेंशा प्रेरणा देते रहेंगे।

राहुल गांधी

कांग्रेस की बड़ी जीत, बदल दी देश की राजनीति, बीजेपी के लिए 'मिशन साउथ' के साथ 2024 बहुत मुश्किल

इंजीनियर मोहिउद्दीन खान
संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं. पिछले 9 साल से कांग्रेस को जिस तरह की जीत की दरकार थी, कर्नाटक से उसे वैसे ही नतीजे हासिल हुए हैं. कर्नाटक की जनता ने जिस तरह से कांग्रेस पर जमकर प्यार लुटाया है, वो अस्तित्व की लड़ाई से जूझ रही कांग्रेस के लिए एक तरह से संजीवनी है.कर्नाटक में 1985 के बाद से ही सरकार बदलने की परंपरा रही है. यहां की जनता ने भी इस परंपरा को तब से बरकरार रखा है. हालांकि 1999 में कांग्रेस की सरकार थी और फिर 2004 में त्रिशंकु जनादेश और बीजेपी के सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद कांग्रेस ने जेडीएस के साथ मिलकर सरकार बनाते हुए सत्ता बरकरार रखने में कामयाब रही थी. इस बार भी कर्नाटक के लोगों ने बदलने की परंपरा के मुताबिक ही जनादेश दिया है.चुनाव नतीजों से कर्नाटक में अपने दम पर पहली बार बहुमत हासिल करने के बीजेपी के मंसूबों पर पानी फिर गया है. साथ ही एक बड़े राज्य की सत्ता से भी वो बाहर हो गई है. कर्नाटक में भले ही बीजेपी 2007 से सत्ता में आ-जा रही थी, लेकिन कभी भी उसे यहां की जनता ने पूर्ण बहुमत नहीं दिया था. उसे 2008 में सबसे ज्यादा 110 सीटें हासिल हुई थी.

देश की राजनीति ले रही है करवट

कर्नाटक के नतीजों का यहां के लिए तो महत्व है हीं, ये चुनाव देश की राजनीति में बड़े बदलाव का पड़ाव भी साबित हो रहा है. कर्नाटक का नतीजा कांग्रेस के लिए तो महत्व रखता ही है, उसके साथ ही 2024 में बीजेपी को हराने के लिए विपक्षी एकता बनाने की जो मुहिम चल रही है, उस नजरिए से भी ये काफी अहम है. उसके विपरीत पिछले 9 साल से चुनाव दर चुनाव जीत हासिल कर रही बीजेपी के लिए ये नतीजे बहुत बड़ा झटका है.

कर्नाटक में 1989 के बाद कांग्रेस की सबसे बड़ी जीत

इन पहलुओं पर चर्चा करने से पहले ये समझ लेते हैं कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत कितनी बड़ी है. आंकड़ों की बात करें तो 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को बहुमत से काफी ज्यादा 135 सीटों पर जीत मिली है. वहीं बीजेपी को महज़ 66 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है. क्षेत्रीय दल जेडीएस के खाते में सिर्फ़ 19 सीटें ही आई. पिछली बार यानी 2018 विधानसभा चुनाव की तुलना में कांग्रेस को 55 सीटों का लाभ हुआ है. वहीं बीजेपी को 38 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है और जेडीएस को 18 सीटों का नुकसान हुआ है. 1989 के बाद कर्नाटक में कांग्रेस की ये सबसे बड़ी जीत है. 1989 के विधानसभा चुनाव में वीरेंद्र पाटिल की अगुवाई में कांग्रेस ने 178 सीटों पर जीत हासिल की थी. 1989 के बाद कांग्रेस को सबसे बड़ी जीत 1999 के विधानसभा चुनाव में मिली थी जब उसने एसएम

कृष्णा की अगुवाई में 132 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत हासिल किया था. वहीं 2013 के चुनाव में सिद्धारमैया की अगुवाई में कांग्रेस को 122 सीटों के साथ बहुमत मिला था.

कांग्रेस को बीजेपी से 7% ज्यादा मिले वोट

वोट शेयर के मामले में भी इस बार कांग्रेस को भारी उछाल मिला है. पिछली बार के मुकाबले में इस बार कांग्रेस और बीजेपी के वोट शेयर में काफी अंतर है. इस बार कांग्रेस का वोट शेयर करीब 43 फीसदी पहुंच गया है, वहीं बीजेपी का वोट शेयर 36% रहा. यानी दोनों के वोट शेयर में 7% का फर्क रहा है. 2018 में कम सीट के बावजूद कांग्रेस का वोट शेयर बीजेपी से 1.79% ज्यादा रहा था. जेडीएस की बात करें तो उसका वोट शेयर 13.3 फीसदी रहा जो पिछली बार के मुकाबले 5 फीसदी कम है. वोट शेयर के मामले में हालांकि बीजेपी को इस बार ज्यादा नुकसान नहीं उठाना पड़ा है. पिछली बार बीजेपी को 36.36% वोट हासिल हुए थे. लेकिन कांग्रेस का वोट शेयर पिछली बार के मुकाबले करीब 5 फीसदी बढ़ गया है. इस बार कांग्रेस की बड़ी जीत के पीछे सबसे बड़ा कारण यही रहा कि उसे वोट शेयर में इजाफा हुआ और उसे बीजेपी से करीब 7% ज्यादा वोट मिले.

शहरी इलाकों में भी कांग्रेस को मिली ज्यादा सीटें

ग्रामीण इलाकों की 151 सीटों में से कांग्रेस 97 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही और बीजेपी को 34 सीटें मिली और जेडीएस के खाते में 17 सीटें गई. वहीं सेमी अर्बन इलाकों की 26 में से 15 सीटें कांग्रेस जीतने में कामयाब रही और बीजेपी को 8 पर जीत मिली. अर्बन इलाकों की 47 में से 23 सीटें कांग्रेस के खाते में गई और बीजेपी को 24 सीटें मिली.कर्नाटक में जीत के साथ ही कांग्रेस की अब देश के 4 राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में खुद की बदौलत सरकार हो जाएगी. उसमें भी अब तक कांग्रेस के पास ऐसा कोई राज्य नहीं था, जहां 200 से ज्यादा विधानसभा सीटें हैं. अब कर्नाटक जैसे बड़े राज्य की सत्ता पाकर कांग्रेस एक बार फिर से नए सिरे से अपने जनाधार को पूरे देश में बढ़ा सकती है. पिछले 9 साल में जिस तरह से उसे दो लोकसभा चुनाव और कई राज्यों की विधानसभा चुनाव में हार मिल रही थी, उसकी छवि जनता के साथ ही बाकी विपक्षी दलों में भी उतनी अच्छी नहीं रह गई थी. बाकी राज्यों में निराश कार्यकर्ताओं में भी कर्नाटक की जीत से जोश आने की कांग्रेस उम्मीद कर सकती है. ये भी संदेश जाएगा कि बीजेपी को एक बड़े अंतर से हराया जा सकता है.

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का असर

कर्नाटक की इतनी बड़ी जीत में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के साथ ही, कांग्रेस के सकारात्मक चुनाव प्रचार अभियान को भी महत्व मिलना चाहिए. राजनीतिक मामलों के ज्यादातर लोगों का ये मानना है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने कर्नाटक में पार्टी के लिए जबरदस्त माहौल तैयार कर दिया था. उसके बाद बीजेपी के विपरीत कांग्रेस ने अपने प्रचार अभियान में उन मुद्दों पर फोकस किया था, जो सत्ता मिलने के बाद वो कर्नाटक जनता के लिए करने वाली थी. वहीं प्रचार अभियान के आखिरी 20 से 25 दिनों में बीजेपी का पूरा ज़ोर जनता के मुद्दों पर न रहकर कांग्रेस के ऊपर निशाना साधने पर रहा था. जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे हम कह सकते हैं कि कर्नाटक की जनता अपनी रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर ही फोकस रही और उसी नजरिए से जनादेश दिया. कर्नाटक की इस जीत के बाद कांग्रेस चाहेगी कि ये जीत का सिलसिला इस साल होने वाले बाकी राज्यों के विधानसभा चुनावों में बरकरार रहे. इस साल अब राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होना है. इनमें से राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस फिलहाल सत्ता में है और मध्य प्रदेश बीजेपी के पास है. हालांकि कर्नाटक की जीत से उत्साहित कांग्रेस के लिए इन तीनों राज्यों में बढ़त बनाने का मौका बढ़ गया है.

2024 के लोकसभा चुनाव के नजरिए से अहम

कर्नाटक के नतीजों से देश की राजनीति बदल सकती है. 2024 के लोकसभा चुनाव में अब महज 11 महीने का वक्त रह गया है. बीजेपी भले ही कर्नाटक विधानसभा का चुनाव हार गई हो, लेकिन लोकसभा के नजरिए से अभी भी वो ऐसी ताकत है, जिसको हराने के लिए मजबूत विपक्ष या फिर कहें विपक्षी एकता की जरूरत पड़ेगी. या कहें कि पूरे देश में वन टू वन फॉर्मूला के जरिए ही कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष मिलकर बीजेपी के लिए चुनौती खड़ा कर सकता है. विपक्षी एकता की कोशिश भी की जा रही है. हालांकि इसकी अगुवाई कौन करेगा, कांग्रेस की खराब स्थिति को देखते हुए बाकी विपक्षी दल खुलकर कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार करने से कतरा रहे हैं. लेकिन कर्नाटक में कांग्रेस का जिस तरह का प्रदर्शन रहा है, ये एक तरह से बाकी विपक्षी दलों के लिए संदेश है कि कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार किए बिना विपक्षी एकता का कोई मायने नहीं रहेगा.

दक्षिण के 5 बड़े राज्यों में कहीं नहीं है बीजेपी की सत्ता कर्नाटक की सत्ता खोने के बाद उसका दक्षिण भारत के 5 बड़े राज्यों से सफाया हो गया है।

अखिलेश बाबू के मार्गदर्शन में बिहार कांग्रेस सेवा दल को धारदार किया जा रहा है, 2024 में अहम भूमिका निभाएगी :- अमित कुमार

एक मजबूत प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में, बिहार कांग्रेस के हर एक विंग्स में मजबूत, कर्मठ लोगों को जोड़ा जा रहा है। जिन्होंने अपनी निंदा की परवाह ना करते हुए भी संगठन को मजबूती देना लक्ष्य चुना। आज इनकी दूरगामी सोच का जीता जागता उदाहरण कांग्रेस सेवादल है। इन्होंने सेवादल में मजबूत, कर्मठ लोगों को जोड़ बिहार सेवादल को एक नए स्तर पर खड़ा किया। आज वर्तमान दिनों में बिहार सेवादल में जितने प्रशिक्षण और जितने कार्यक्रम कराए गए आज से पहले कभी बिहार सेवा दल में नहीं हुआ था। इस प्रशिक्षण के बाद सेवादल में तैयार हुए लोग 2024 की लोकसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे। अखिलेश बाबू का यह दूरगामी सोच बिहार कांग्रेस की दिशा और दशा बदलने का कार्य करेगा।

बिहार के हर एक क्षेत्रों से कर्मठ और जुझारू लोगों को कांग्रेस में जोड़ कर कांग्रेस को मजबूत करने का यह पहल काफी सराहनीय है। कांग्रेस जन को अपने नेता को पूर्ण सहयोग कर उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने का काम करना होगा और उनके भरोसे पर खरा उतरना होगा।

अमित कुमार, बिहार प्रदेश कांग्रेस

पहलवान बेटियों, मणिपुर हिंसा, पुलवामा हमले, अडानी महाघोटाले पर प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ें : कांग्रेस

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह क्षेत्रीय प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिठू, पूर्व विधायक मो खान अली, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राम प्रमोद सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, शिव कुमार चौरसिया, उदय शंकर पालित, दामोदर गोस्वामी, प्रद्युमन दुबे , शिव कुमार चौरसिया, टिंकू गिरी, विपिन बिहारी सिन्हा, कुंदन कुमार, विशाल कुमार, मो समद, असरफ इमाम, सुरेंद्र मांझी, रूपेश चौधरी, राहुल चंद्रवंशी, अमर चंद्रवंशी, विनोद उपाध्याय, सुजीत कुमार गुप्ता, राजेश अग्रवाल, आदि ने प्रधानमंत्री से कई दिनों से दिल्ली के जंतर, मंतर पर धरने पर बैठे पहलवान बेटियां, मणिपुर में फैली हिंसा, जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल द्वारा पुलवामा हमले पर किए गए खुलासा, तथा महीनो से संसद से सड़क तक अडानी समूह महाघोटाला की जे पी सी मांग पर चुप्पी तोड़ने का आग्रह किया है।

नेताओ ने कहा की देश की महिला पहलवानों द्वारा लगातार कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को अभी तक केंद्र सरकार अनसुनी किए हुए है, जबकि माननीय प्रधानमंत्री जी दिन, रात महिला सशक्तिकरण की बाते करते है, परंतु इस मामले पर महीनो से चल रहे हंगामा के बाद भी कुछ नहीं बोले है।

दूसरी बात मणिपुर हिंसा में सैकड़ों लोगों की हत्या, आगजनी, मारपीट , अशांति के बारे में प्रधानमंत्री जी का अभी तक कोई बयान नहीं आना बेहद चिंतनीय एवम् गंभीर विषय है।

जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक जी द्वारा पुलवामा हमले पर सनसनी खेज बाते करने से देशवासियों के मन में तरह, तरह की बाते उठ रही है, जिस पर भी अविलंब केंद्र सरकार को जवाब देनी चाहिए।

सबसे अहम बात अडानी प्रकरण महाघोटाले की है, जिसकी जेपीसी जांच की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी के सर्वमान्य नेता राहुल गांधी जी द्वारा संसद में जोरदार ढंग से इस संबंध में बाते रखने, ताजा कांग्रेस पार्टी सहित सभी समान विचारधाराओं के विपक्षी दलों का सांसद से सड़क तक लगातार आंदोलन करने के बाद भी प्रधानमंत्री इस संबंध में एक शब्द भी बोलना मुनासिब नहीं समझा।

नेताओ ने कहा की अब देश की महान जनता छद्म राष्ट्रवाद, तथा धर्मवाद से गुमराह होने के बजाय भ्रष्टाचार, मंहगाई, बेरोजगारी , घोटाला , तथा देश की गंभीर मामले पर प्रधानमंत्री जी बाते सुनना चाहती है।

भवदीय
विजय कुमार मिठू

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

सावा मंडल की बूथ एवं पंचायत अध्यक्षो की महत्वपूर्ण बैठक चित्तौड़गढ़ विधानसभा के ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सावा मंडल की आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुवी जिसमे बूथ एवं पंचायत अध्यक्षगण शामिल हुवे इस अवसर पर राज्य मंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने बूथ मैनेजमेंट की जानकारी दी एवं चित्तौड़गढ़ विधानसभा में हो रहे अभूतपूर्व विकास कार्यों की जानकारी देते हुवे उनसे अपील कर कहा कि आप गांव गांव ढाणी ढाणी जाकर कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकरी योजनाओं को आमजन तक पहुचाये!! इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता त्रिलोकचंद जाट, ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम जाट, मंडल अध्यक्ष अर्जुन रायका, जिला कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता महेंद्र शर्मा एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे

आवश्यक सूचना

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग का 30 मई 2023 को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन की तिथि स्थगित कर दी गई है यह सम्मेलन जुलाई प्रथम सप्ताह में किया जाएगा जल्द ही सम्मेलन की तिथि बता दी जाएगी

अनुराग चंदन
बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा अति पिछड़ा विभाग अध्यक्ष

कर्नाटक की जीत, कांग्रेस पार्टी की नहीं विचारधारा की जीत है : नूर आलम शेख़ सीतामढ़ी

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जबर्दस्त जीत पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय युवा कांग्रेस कमिटी के पूर्व युवा जिला अध्यक्ष सीतामढ़ी नूर आलम शेख़ जी ने रविवार को एक प्रेस के माध्यम से कहा है कि यह जीत केवल पार्टी की जीत नहीं उस विचारधारा की जीत है जिस संकल्प लेकर आज के गांधी ने` भारत जोड़ने का संकल्प लिया था, नतीजा आपके सन्मुख है। कर्नाटक में मोदी सरकार ने पूरी जान झोंक दी।

प्रधानमंत्री पद की मर्यादा को दरकिनार करते हुए कर्नाटक की आवाम को राहुल गांधी की बात पर ज्यादा भरोसा लगा और कर्नाटक ने खुद को सुचारू ढंग से चलाने के लिए एक व्यक्ति को तय किया है और वो व्यक्ति निश्चित ही कर्नाटक में चले आ रहे आरएसएस बजरंग दल /एवं भाजपा के नाटक का अंत करेगा और नवउदय होगा । कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को असीम बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि धन बल से भरे भाजपा के धन में मदान्ध लोगों को

कर्नाटक की जनता से जबर्दस्त शिकस्त दी है।

नूर आलम शेख़ जी ने कर्नाटक की जनता को एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की पाखंड जीत पर बधाई देते हुए कहा कर्नाटक तो अभी झांकी है छत्तीसगढ़ राजस्थान मध्य प्रदेश 2024 लोकसभा अभी बाकी हैं

जय कांग्रेस जय बिहार
नूर आलम शेख़
युवा रून्नीसैदपुर सीतामढ़ी बिहार

Creation 7463096991

अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल
प्रमंडल स्तरीय प्रशिक्षण शिविर

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल से जुड़ने के लिए मिस्ड कॉल करें-

8252667278

स्थान :- हुलासगंज, जहानाबाद बिहार

क्रम सं.	तारीख	प्रमंडल
1	03 से 05 जून	पटना प्रमंडल जिला- पटना, भोजपुर, कैमूर, बक्सर, रोहतास, नालंदा
2	06 से 08 जून	मगध प्रमंडल जिला- गया, अरवल, नवादा, औरंगाबाद, जहानाबाद
3	09 से 11 जून	तिरहुत प्रमंडल जिला- मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली
4	12 से 14 जून	मुंगेर प्रमंडल जिला- मुंगेर, जमुई, शेखपुरा, खगड़िया, लखीसराय , बेगूसराय
5	15 से 17 जून	भागलपुर प्रमंडल जिला- भागलपुर, बांका
6	18 से 20 जून	दरभंगा प्रमंडल जिला- दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर
7	21 से 23 जून	पूर्णिया प्रमंडल जिला- पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, कटिहार
8	24 से 26 जून	कोसी प्रमंडल जिला- सुपौल, मधेपुरा, सहरसा
9	27 से 29 जून	सारण प्रमंडल जिला- सारण, सीवान, गोपालगंज

रुचि सिंह
प्रदेश महिला अध्यक्ष

डॉ. संजय कुमार
का. मुख्य संगठक

आदित्य पासवान
प्रदेश अध्यक्ष यंग ब्रिगेड

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना - 10

भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को अविलंब गिरफ्तार किया जाए : डॉ. उदित राज

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली, 16 मई, 2023

डॉ. उदित राज, राष्ट्रीय चेयरमैन, असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस (केकेसी), के नेतृत्व में सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता आज तीसरी बार जन्तर-मन्तर, नई दिल्ली पर महिला पहलवानों के शोषण के विरुद्ध जारी आंदोलन को सहयोग करने हेतु पहुचें। इसके पहले 25 अप्रैल और 2 मई को भी इनके समर्थन में सैकड़ों साथियों के साथ आए थे। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर देश के महिला पहलवान गत 24 दिनों से यहां धरना दे रहे हैं।

धरने को संबोधित करते हुए डॉ. उदित राज जी ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने टेक्निकल एविडेन्स या चश्मदीद नहीं मिलने का बहाना करके भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है। इनके खिलाफ एक प्राथमिकी एक नाबालिक महिला खिलाड़ी के यौन उत्पीड़न के खिलाफ (यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत) दर्ज की गई है और दूसरी प्राथमिकी शिकायतकर्ताओं के यौन उत्पीड़न के आरोप में दर्ज की गई है। ऐसे संगीन आरोपों पर इन्हें प्रथिमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद गिरफ्तार किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। सभी जानते हैं कि इस तरह के अपराध चश्मदीद की मौजूदगी में कोई भी अपराधी नहीं करता। 2014 में भाजपा 'बहुत हुआ महिलाओं पर वार झ आबकी बार मोदी सरकार' का नारा लगाते हुए सत्ता में आई थी लेकिन इनकी सरकार में जब देश के लिए मेडल लाने वाली महिला ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम महिलाओं की स्थिति का

अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं हैं। सबसे ज्यादा महिलाओं के शोषण का आरोप भाजपा नेताओं पर ही है, लेकिन मोदी जी और भाजपा इन्हें बचाने के प्रयास में लगे रहते हैं। हाल ही में हरियाणा के खेल मंत्री झ संदीप सिंह के खिलाफ भी महिला कोच पर छेड़छाड़ का आरोप लगा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता - कैलाश विजयवर्गीय ने हाल ही में महिलाओं के कपड़ों और मेकअप को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था, जिससे भाजपा की महिलाओं के प्रति संकीर्ण मानसिकता का पता चलता है।

उन्होंने धरने को संबोधित करते हुए आगे कहा कि भाजपा महिला पहलवानों के आंदोलन को जातिवादी आंदोलन बनाना चाहती है, लेकिन यह आंदोलन महिलाओं के सम्मान का आंदोलन है, जब तक आपकी मांगे पूरी नहीं हो जाती तब तक धरने से उठना नहीं है। जब बीजेपी को वोट लेना होता है तो एससी, एसटी, ओबीसी, महिला हिंदू हो जाते हैं लेकिन जब न्याय और सत्ता में भागीदारी देना हो तो वह जाति देखने लगते हैं।

धरने को अन्य प्रमुख नेताओं, जैसे विनोद पवार, प्रबल प्रताप सिंह, कर्नल बिजेंदर सिंह खोखर, चंद्रभान, अतर सिंह, तनवीर तंवर, हरपाल सिंह बुडानिया, पंकज कपूर, तजुद्दीन अंसारी , जावेद, संजय परमार सैनी, कंचन मिश्रा, बाबूलाल, वाहिद बाबा,अमृत गिल , खुशबू श्रीवास्तव, हरपाल सिंह ,कनिज फातिमा,कंवलजीत गिल, थानेवर दयाल,शैलेंद्र चौहान, किरोड़ी मल्ल प्रजापति,हरिदास पांडेय वाल्मिकि,संजय चौहान,सुजीत सिंह,संजीदा मलिक, सज्जन इंदाछोई, मंगल सिंह,ने भी संबोधित किया।

ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह तथा प्रदेश सचिव बैभव सिन्हा का स्वागत

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम के उपरांत फुटपाथ दुकानदारों ने हीरापुर स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह तथा प्रदेश सचिव बैभव सिन्हा का स्वागत किया।

मौके पर श्री ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फुटपाथ दुकानदारों के बीच मिठाई वितरित कर सभी को शुभकामनाएं दी।

फुटपाथ दुकानदारों को संबोधित करते हुए उन्होंने ने कहा की हिमाचल प्रदेश के बाद कर्नाटक की जनता ने भाजपा की देश को बांटने वाली विचारधारा को सिरे से नकार दिया है और देश को यह संदेश दिया है की यह देश महात्मा गांधी और नेहरू के विचारधारा से चलेगा ना की गोडसे और सावरकर की विचारधारा से। अब पूरा दक्षिण भारत भाजपा मुक्त हो गया है और आने वाले 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पूर्ण बहुमत का मार्ग प्रशस्त किया है।

मौके पर प्रदेश कांग्रेस सचिव बैभव सिन्हा,

आलोक राज, टाउन वेंडिंग कमिटी के उमेश कुमार सहित दर्जनों फुटपाथ दुकानदार उपस्थित थे।

इसी का परिणाम है कि कर्नाटक में वहां की जनता प्रचंड बहुमत से कांग्रेस पार्टी को जिताने का काम किया है श्री सिंह ने अभी क्या आने वाले चुनाव में छत्तीसगढ़ राजस्थान और मध्य प्रदेश में कांग्रेस का परचम लहराएगा और झारखंड सरकार बनेगी झारखंड में अगले साल महागठबंधन के साथ मिलकर फिर से गठबंधन की सरकार बनेगी

एक दिवसीय निः शुल्क जाँच शिविर का आयोजन

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

चनपटिया,पश्चिम चम्पारणः चनपटिया प्रखंड में डुमरी महानवा गाँव में जहाँ सरकारी स्वास्थ सेवाए बेहतर ढंग से संचालित नहीं है, वहाँ के लोगो के स्वास्थ परीक्षण एवम् उपचार के लिए समाजसेवी और कांग्रेस सपोर्टर समीक्षा शर्मा के प्रयास से एक दिवसीय नीः शुल्क जाँच शिविर का आयोजन किया गया। उनका कहना है कि गाँव में निःशुल्क मेडिकल कैम्प लगाना समय की ज़रूरत है।

चनपटिया विधानसभा के डुमरी महानवा गाँव में रविवार को शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे 200 से अधिक लोगो का स्वास्थ परीक्षण किया गया। इस शिविर में चीनी की बीमारी और ब्लड प्रेशर जाँच करने की व्यवस्था थी। साथ में फेफड़े की जाँच और उसके चिकित्सक भी उपलब्ध थे। समीक्षा शर्मा पहले भी ऐसे शिविर लगाते रही है और आगे भी लगाती रहेंगी। शिविर की सफलता में डॉ. हिमांशु शेखर, कंसलटेंट फिजिशियन, डॉ. दीपक सिंह, रजनीश ठाकुर (समाज सेवक,महानवा)और टीम का उल्लेखनीय योगदान रहा।

इस शिविर में सभी 40+ का ब्लड प्रेशर और चीनी की जाँच हुई। मरीज़ों को निः शुल्क दवा वितरण का लाभ भी मिला। जाँच में बहुत महिलायें और बूढ़े कमज़ोरी के शिकार थे, बहुत ने पौष्टिक आहार ना मिलने की शिकायत की। ₹फ्री में सिर्फ़ चावल और आटा मिलने से पौष्टिक आहार नहीं मिलता और ये बात सरकार को समझनी चाहिए। हमारा छेत्र स्वास्थ में बहुत पीछे है। सरकार को जनता के साथ मिलकर इस पर ध्यान देने की आवयशकता है। अपने गांव में ऐसी सेवाओं को लाने में सक्षम होने के लिए खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही हूँ।₹ समीक्षा शर्मा, समाज सेविका,चनपटिया प्विधानसभा, बिहार

युवाओं की दुर्दशा का उत्सव मना रही सरकार

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

आपदा को उत्सव की तरह परोसने वाली सरकार जनता की हितैषी कभी नहीं हो सकती। उसका प्रत्येक कदम मोदी सरकार के क्रियाकलापों की तरह ढोंग होता है। प्रधानमंत्री अपनी विफलताओं को ढंकने का लाख प्रयास कर लें, मगर जनता को उनकी हकीकत मालूम है। आज मोदी जी कुछ हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटने का जो उत्सव मना रहे हैं, उससे देश के करोड़ों युवाओं की दुर्दशा छिपने वाली नहीं है।

जनता को प्रधानमंत्री का 'हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार ' वाला जुमला अभी तक याद है। देश के भविष्य कहे जाने वाले युवाओं की हालत आज दयनीय है। रोजगार मांगने वाले युवाओं पर लाठियां बरसाई जाती हैं, उन पर बर्बरता की जाती है। देश का प्रतिभावान युवा जब अपने हक के लिए सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसे देशद्रोही तक कह दिया जाता है। ऐसे मुश्किल दौर में कहां जाएं युवा, किसे सुनाएं अपना दुख और तकलीफ।

रेलवे से लेकर सेना तक देश के सरकारी विभागों में लगभग 30 लाख से अधिक पद खाली हैं, इन पदों पर भर्तियां होनी चाहिए, मगर सरकारी नाकारेपन का दंश देश के योग्य युवाओं को झेलना पड़ रहा है।

नौकरी की खातिर युवा खूब पढ़ाई-लिखाई करते हैं। परीक्षा की तैयारी करते हैं, मगर वेकैंसी है कि आती ही नहीं। अगर कोई वैकेंसी आ भी गई तो परीक्षा होने में कई साल लग जाते हैं। सालों मेहनत करके जब परीक्षा देने सेंटर पहुंचते हैं तो पता चलता है कि पेपर लीक हो चुका है।

आज देश के एक तिहाई युवाओं के पास न तो कोई नौकरी है, न कोई कौशल है, न ही पढ़ाई-लिखाई।

यह सब जितना शर्मनाक है, उससे अधिक चिंताजनक... मगर उत्सवधर्मी सरकार को इससे क्या लेना-देना।

मोदी जी, करोड़ों युवाओं को मानसिक और आर्थिक रूप से अपंग बनाकर, उनके सपनों को बेरहमी से कुचलकर उत्सव मनाने की जिद के पीछे का प्रोपेगेंडा देश की जनता समझती है।

युवाओं को मूर्ख समझने की कीमत आपको चुकानी ही पड़ेगी मोदी जी।

मनरेगा योजना: केंद्र पर 14 राज्यों की 6,157 करोड़ रुपये की देनदारी बकाया

मोदी सरकार की नीतियां गरीबों, मजदूरों की रोजी-रोटी की राह में एक बड़ी बाधा है। भीषण महंगाई के दौर में श्रमिकों को राहत देने की बजाए सरकार उनका जीवन नर्क बनाने पर तुली है। सरकार श्रमिकों के लिए वरदान मानी जाने वाली मनरेगा जैसी योजनाओं का कबाड़ा कर रही है। यह जितना चिंताजनक है, उससे अधिक शर्मनाक।

आखिर, देश के गरीबों से मोदी जी कौन सी दुश्मनी निकाल रहे हैं?

कांग्रेस नेता तरूण बाहेती का भाजपा की ब्याज माफी योजना पर पलटवार

-जिले में सिर्फ 15 प्रतिशत किसानों को फायदा, शेष 85 प्रतिशत किसान योजना से बाहर

-कमलनाथ सरकार की कर्ज माफी योजना की तुलना में यह योजना किसानों के साथ महज छलावा-

-सिर्फ सहकारी सोसायटी के किसानों को ही योजना का लाभ,राष्ट्रीयकृत बैंकों से ऋण लेने वाले किसान भी योजना में शामिल नही

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नीमच। मप्र सरकार की ब्याज माफी योजना सिर्फ किसानों के साथ छलावा है। किसानों का ब्याज माफ करने के नाम पर प्रदेश की शिवराज सरकार जिले के सिर्फ 19 हजार किसानों का ब्याज माफी के दावे का ढिंढोरा पीटकर जिले के बाकी 1 लाख 17 हजार से अधिक किसानों के साथ कुठाराघात कर रही है। वास्तविकता यह है कि सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों से ऋण लेने वाले किसानों को इस योजना से बाहर कर दिया गया हैं और सिर्फ सहकारी सोयायटी के डिफाल्टर किसानों को ही ब्याज माफी का लाभ दिया जा रहा है। प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार जिले में सिर्फ 15 प्रतिशत किसानों को ही इस योजना का लाभ मिल पा रहा है जबकि शेष 85 प्रतिशत किसान योजना से पूरी तरह वंचित रहेंगे। जबकि पूर्व में कांग्रेस की कमल नाथ सरकार ने कर्ज माफी योजना में बिना किसी भेदभाव के पहले चरण में ही नीमच जिले के 40 हजार किसानों का 110 करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया था जबकि कांग्रेस सरकार की योजना का दूसरा व तीसरा चरण होना बाकी था।

यह पलटवार कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य तरूण बाहेती ने किया है। कांग्रेस नेता बाहेती ने कहा कि नाम बड़े और दर्शन खोटे की तर्ज पर लागू भाजपा सरकार की इस योजना से किसानों को वंचित करने के लिए नियम अधिक जटिल बना दिए है कि जिससे अधिकतर किसान इस योजना से बाहर हो जाए। जबकि पूर्व में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने प्रदेश सहित जिले के किसी भी किसान के साथ भेदभाव नहीं करते हुए सबको समान रूप से कर्ज माफी योजना का लाभ दिया था। कांग्रेस नेता तरूण बाहेती ने बताया कि शिवराज सरकार की इस योजना में किसानों की ब्याज माफी की गणना में किसानों के मूलधन को भी जोड़ा जा रहा है जो कि गलत है और ऐसा करने से जिले के अधिकांश किसानों को योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उदाहरण के लिए जैसे कि कोई किसान का ऋण 1 लाख 50 हजार का है और उसका ऋण ब्याज सहित जुड़कर 2 लाख 1 हजार हुआ तो वह किसान योजना से बाहर हो जाएंगे। वास्तविकता में जिले के अधिकतर किसानों के ऋण मूलधन व ब्याज सहित 2 लाख रुपये से अधिक है तो उन्हें इस दिखावटी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। जब शिवराज सरकार को ब्याज माफी की योजना लाई है तो उसमें मूलधन को क्यो जोड़ा जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि सरकार किसानों की ब्याज माफी योजना के नाम पर दिखावा करना चाहती है।

कांग्रेस नेता बाहेती ने कहा कि कमलनाथ सरकार की कर्ज माफी योजना के मुकाबले यह योजना महज दिखावटी व किसानों के साथ धोखा है। वर्तमान में भाजपा की शिवराज सरकार जिले में 45 करोड़ रुपये ब्याज माफी का दावा कर रही है जबकि कमल नाथ सरकार ने कर्ज माफी योजना के प्रथम चरण में ही जिले के 40 हजार किसानों के 110 करोड़ रुपये माफ कर दिए थे जबकि दूसरे चरण में कमल नाथ सरकार जिले के अन्य 52 हजार किसानों के 175 करोड़ रुपये माफ करने वाली थी किंतु भाजपा ने विधायकों की खरीद-फरोख्त कर कमलनाथ सरकार को गिरा दिया। राष्ट्रीयकृत बैंकों के खातेदार किसानों को इस योजना से बाहर क्यों किया गया,यह सवाल समझ से परे हैं।

कमल नाथ सरकार की कर्ज माफी योजना बंद कर किसानों के साथ किया था धोखा-

कांग्रेस नेता व जिला पंचायत सदस्य तरूण बाहेती ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को किसानों की इतनी ही फिक्र थी तो वे किसानों को डिफाल्टर ही नहीं होने देते हैं और कांग्रेस की कमल नाथ सरकार की कर्ज माफी योजना को आगे बढाते। कोई भी सरकारी योजना सरकार पलटने पर भी परिवर्तित नहीं होती लेकिन शिवराज सरकार ने मप्र के किसानों के साथ बड़ा धोखा करते हुए कमल नाथ सरकार की कर्ज माफी योजना को पहले चरण के बाद ही बंद कर तत्काल रोक दिया, जिससे किसानों को करोड़ों का नुकसान हुआ। कांग्रेस नेता बाहेती ने कहा कि शिवराज सरकार की किसानों के प्रति बेरूखी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कमल नाथ सरकार द्वारा घोषित मुआवजा राहत राशि जिसमें जिले के किसानों को सिर्फ 25 प्रतिशत मुआवजा मिला था जबकि किसानों को 75 प्रतिशत मुआवजा मिलना बाकी था। यह योजना शासकीय होने के बावजूद शिवराज सरकार ने इसमें भी किसानों के साथ न्याय नहीं किया और किसानों को बकाया 75 प्रतिशत राहत राशि नहीं दी, जिससे भी किसानों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। कांग्रेस नेता बाहेती ने कहा कि अपने आपकों को किसान हितेषी कहने वाली भाजपा की शिवराज सरकार ने सन् 2020 में सरकार बनते ही किसानों को लिए चलाई जा रही सूरजधारा योजना एवं अन्नपूर्णा योजना, जिसमें अजा-अजजा वर्ग के किसानों को निःशुल्क बीज व अन्न वितरण होता था, उन्हें भी बंद कर दिया। साथ ही किसानों को खेत की जुताई के लिए अनुदान देने वाली हलधर योजना को भी भाजपा सरकार ने बंद कर दिया और इन तीनों महत्वपूर्ण योजनाओं के बंद होने से जिले के किसानों को प्रति वर्ष करीब 4 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

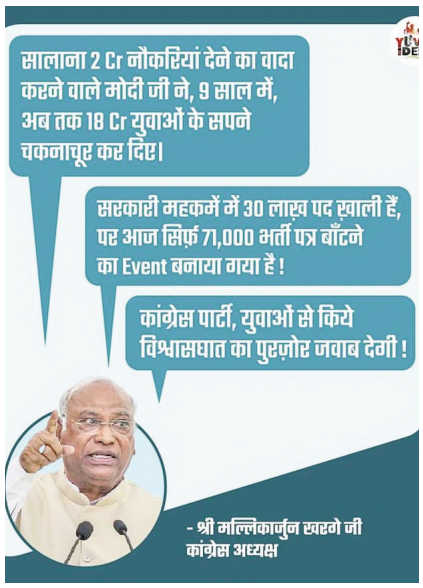

सालाना 2 **Cr** नौकरियां देने का वादा करने वाले मोदी जी ने, 9 साल में, अब तक 18 उ१ युवाओं के सपने चकनाचूर कर दिए।

सरकारी महकमें में 30 लाख़ पद ख़ाली हैं, पर आज सिर्फ़ 71,000 भर्ती पत्र बाँटने का **Event** बनाया गया है !

कांग्रेस पार्टी, युवाओं से किये विश्वासघात का पुरज़ोर जवाब देगी !

- श्री मल्लिकार्जुन खरगे जी
कांग्रेस अध्यक्ष

कर्नाटक ने 'मोहब्बत की दुकान' का दरवाजा खोल दिया है।
अब इसकी खुशबू पूरे हिंदुस्तान में फैलेगी।

मेरे मित्र कांग्रेस पार्टी के कर्मठ नेता राज्यसभा के सदस्य श्री राजीव सातव जी की दूसरी पुण्यतिथि पर मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। ये हम सभी के दिल में बसते है। उनकी स्मृतियां हमेशा हमलोगों के साथ रहेगी। अखिलेश प्रसाद सिंह

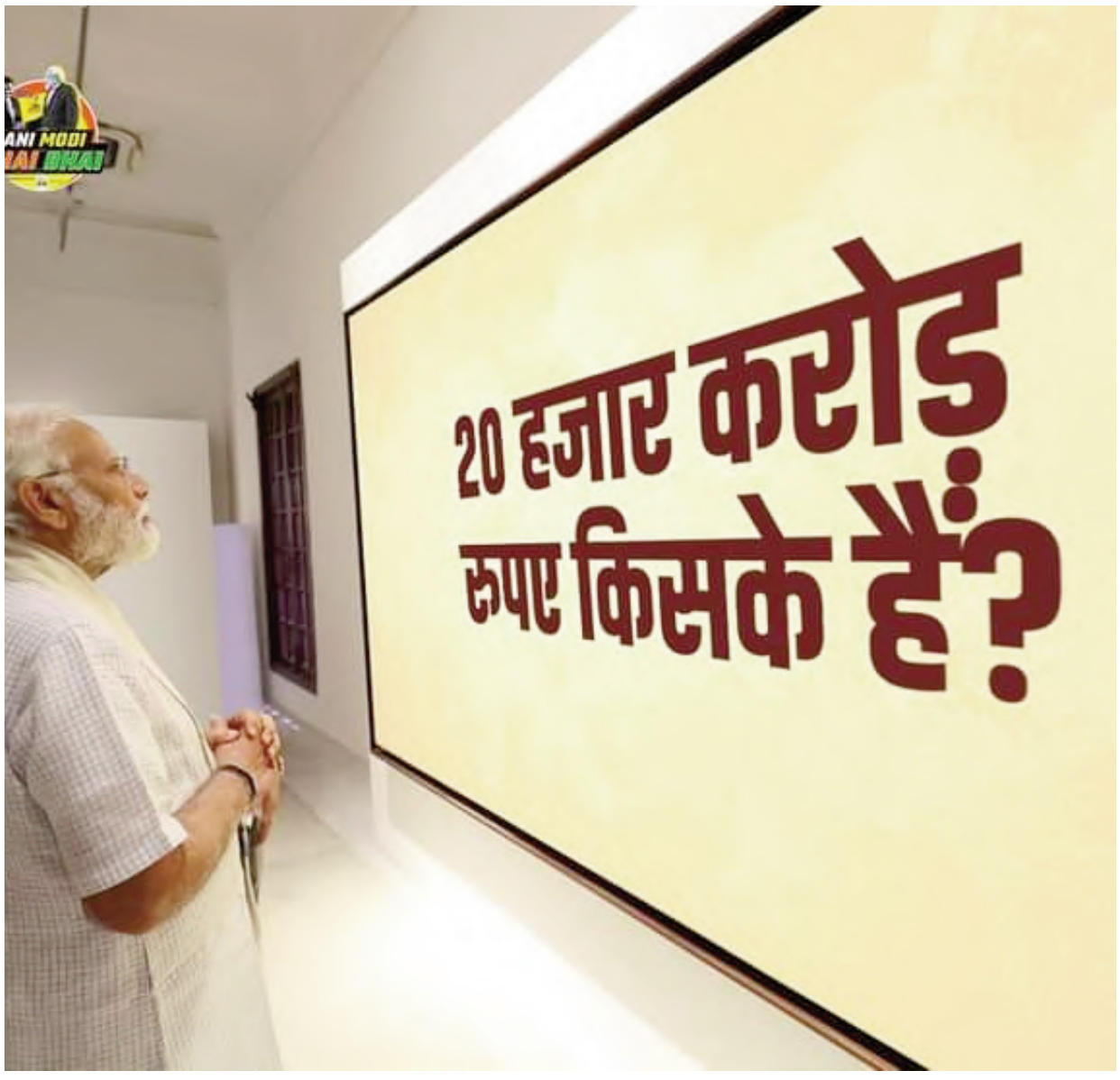

उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और पूर्वांचल के दिग्गज नेता पंडित हरिशंकर तिवारी जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिजनों एवं समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

सादर श्रद्धांजलि।

श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा भाजपा का जुमला है: आशा रावत

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

देश की महिला पहलवानो
के साथ भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह द्वारा किए गए दुर्व्यवहार और यौन शोषण मामले के विरुद्ध दिल्ली स्थित जंतर मंतर पर किए जा रहे सत्याग्रह आंदोलन को समर्थन देने के लिए महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा अपर जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल को ज्ञापन सौंपकर भाजपा सांसद बृजभूषण शर्मा के विरुद्ध कठोरात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग की है
'

इस अवसर पर टिहरी गढ़वाल महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आसा रावत के नेतृत्व में महिलाएं कलेक्ट्रेट स्थित अपर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची
'

जहां उन्होंने दिल्ली स्थित जंतर मंतर पर महिला पहलवानों द्वारा किया जा रहे सत्याग्रह आंदोलन को समर्थन देने के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा '

ज्ञापन के माध्यम से महिला कांग्रेस ने मांग की कि महिला पहलवानों के साथ किए गए दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच हो और दोषी भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए ।

इस अवसर पर महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल के अध्यक्ष राकेश राणा महिला कांग्रेस की जिला महामंत्री

अनीता रावत, महासचिव सीमा खरोला, जिला सचिव अनीता साह ,नीमा नेगी बृहस्पति भट्ट मीना पुंडीर, प्रकाशी राणा ,अनीता नेगी आदि महिलाएं उपस्थित थी।

कांग्रेस नेता पुत्र के हत्यारें का हो जल्द गिरफ्तारी : डॉ धनंजय शर्मा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

अरवल शहर में दिन दहाड़े इंट भठ्ठा संचालक श्री श्याम किशोर शर्मा की हत्या पर जिला कांग्रेस कमेटी अरवल दुख प्रकट करती है तथा हत्यारे का जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग करती है.

कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ धनंजय शर्मा, कोषाध्यक्ष एडवोकेट निसार अख्तर अंसारी, उपाध्यक्ष श्री कामेश्वर शर्मा, वरीष्ठ कांग्रेस नेता अरुण कुमार भारती, संजय कुमार सिंहा आज पीड़ित परिवार कांग्रेस पार्टी के पुर्व प्रखंड अध्यक्ष सुदर्शन शर्मा से मिल कर संतावना दिए. और घटना पर दुख ब्यक्त किए.

कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि अरवल शहर में इस तरह की कांड नहीं होती थी परंतु अब दिन दहाड़े हो रहा है, कांग्रेस नेताओं ने पुलिस प्रशासन से यह मांग किया है कि इस मामले में दोषी की गिरफ्तारी हो और निर्दोष न फंसे, आगे ऐसी घटना न हो जिसके लिए पुलिस प्रशासन को मुस्तैद रहने की आवश्यकता है.

पुलिस गश्त तेज किया जाना चाहिए. स्व श्याम किशोर शर्मा कांग्रेस पार्टी के अरवल प्रखंड के पुर्व अध्यक्ष सुदर्शन शर्मा के पुत्र थे

इबलीस का हुक्म है 'अंधेर और अंधेरा दोनों क़ायम रहें !'

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में केवल रासस-भाजपा ही पराजित नहीं हुए हैं, बल्कि देश की दौलत लूटकर अपनी तिजोरियां भरने में जुटे अडाणी-अंबानी जैसे पूंजीपति भी चारों खाने चित्त हो गये हैं। उन्होंने अपने टीवी चैनलों द्वारा रासस-भाजपा का एजेंडा चलाने में दिन-रात जो पैसा और पसीना बहाया था, उससे इस प्रदेश में निर्मित कीचड़ में कमल खिलने के बजाय सड़ गया।

चूंकि केंद्रीय सत्ता पर काबिज मास्टरमाइंड लोगों को पहले से ही स्थिति का अंदाजा था तो उन्होंने सोची-समझी रणनीति के तहत उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय चुनाव भी उसी दिन करवाये और फिर उसके परिणाम भी कर्नाटक विधानसभा चुनाव नतीजों के साथ एक ही दिन घोषित करवाने की व्यवस्था बनाई।

दोनों के चुनाव परिणाम घोषित होते ही गोदी मीडिया पर कर्नाटक विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण चुनाव नतीजों पर चर्चा छोड़कर उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को मिली सफलता के गीत गाये जाने लगे। जहां के सीमित शहरी क्षेत्रों में रासस-भाजपा की अच्छी पकड़ से प्राप्त नतीजों को ज्यादा महत्व दिया

गया।

प्रोपेगैंडा-तंत्र की सक्रियता यहीं पर खत्म नहीं हुई, उसे आदेश दिया गया कि वह अपना ध्यान पाखंड के नये लीलाधारी बागेश्वर बाबा के नाम से चर्चित धीरेंद्र शास्त्री के बिहार कार्यक्रम पर केन्द्रित करे। आकाओं के इशारे पर नाचने वाले गुलाम कैमरा-कलम उठाये चल पड़े उधर ही।

उधर, धर्म-कर्म के बहाने लोगों की आस्था का शोषण करने वाले इस पाखंडी के बिहार आगमन पर वहां की अपनी कठपुतलियों को सक्रिय कर दिया गया कि वे बाबा के स्वागत-सत्कार में कोई कमी न रखें। तो जत्थे लेकर पहुंच गए उसके श्रीचरणों की सेवा में आरती उतारने। उनमें से गिरिराज सिंह, रविशंकर प्रसाद, अश्विनी चौबे, सम्राट चौधरी, रामकृपाल यादव, विजय कुमार सिन्हा आदि कुछ प्रमुख चेहरे सामने गद्दी पर विराजमान बाबा की आरती उतारते यहां देखे जा सकते हैं।

कुलमिलाकर स्थिति यह है कि जनता के मुद्दों पर चर्चा होने ही नहीं देनी है। विपक्षियों को गरियाते रहना है। उन पर छापे डलवाना, जरूरत पड़ने पर दंगे करवा देना और यहां तक कि सैन्यबलों पर आतंकी हमले करवा देना जैसी हरकतों के जरिए लोगों को अपनी ज़िम्मेदारियों पर सवाल उठाने से रोकने के साथ-साथ लोगों को फर्जी राष्ट्रवाद और हिन्दुत्व जैसी एकदम वाहियात और सिर्फ भावनात्मक बातों में उलझाए रखना ही मुख्य काम रह गया है। ताकि अंधेरगर्दी और अंधेरा क़ायम रहे। ■